अध्याय - 7 | ह्रास, प्रावधान और संचय

QUIZ-01

1. **मूल्यह्रास मुख्य रूप से किससे संबंधित होता है?**
   A. चालू परिसंपत्तियाँ
   B. स्थायी देनदारियाँ
   C. स्थायी परिसंपत्तियाँ
   D. राजस्व आय (C)

व्याख्या: मूल्यह्रास उन स्थायी परिसंपत्तियों से संबंधित है जिनकी समय के साथ उपयोग या अप्रचलन के कारण मूल्य में कमी आती है।

2. **निम्न में से कौन-सा मूल्यह्रास का कारण नहीं है?**
   A. घिसावट B. अप्रचलन
   C. समय का बीतना D. मूल्य में वृद्धि (D)

व्याख्या: मूल्य में वृद्धि मूल्यह्रास के विपरीत होती है और परिसंपत्ति के मूल्य में कमी को नहीं दर्शाती।

3. **कौन-सा विधि प्रत्येक वर्ष समान मूल्यह्रास देती है?**
   A. लेखित डाउन मूल्य विधि
   B. क्षरण विधि
   C. अमूर्तिकरण विधि
   D. सीधी रेखा विधि (D)

व्याख्या: सीधी रेखा विधि के अंतर्गत हर वर्ष समान राशि का मूल्यह्रास लिया जाता है।

4. **किस विधि में मूल्यह्रास प्रत्येक वर्ष घटता है?**
   A. सीधी रेखा विधि
   B. वर्षों की संख्या जोड़ विधि
   C. लेखित डाउन मूल्य विधि
   D. वार्षिकी विधि (C)

व्याख्या: लेखित डाउन मूल्य विधि में मूल्यह्रास घटती हुई बुक वैल्यू पर लगाया जाता है, इसलिए यह हर साल कम होता है।

5. **मूल्यह्रास किस प्रकार का व्यय है?**
   A. पूंजीगत व्यय
   B. नकद व्यय
   C. गैर-नकद व्यय
   D. राजस्व प्राप्ति (C)

व्याख्या: मूल्यह्रास नकद बहिर्गमन को शामिल नहीं करता; यह एक गैर-नकद व्यय है।

6. **अमूर्तिकरण का उपयोग किसके लिए किया जाता है?**
   A. चालू देनदारियाँ
   B. अमूर्त परिसंपत्तियाँ
   C. मूर्त स्थायी परिसंपत्तियाँ
   D. कार्यशील पूंजी (B)

व्याख्या: अमूर्तिकरण अमूर्त परिसंपत्तियों जैसे पेटेंट, गुडविल आदि की लागत को व्यवस्थित रूप से समाप्त करने की प्रक्रिया है।

7. **निम्न में से कौन मूल्यह्रास की राशि को प्रभावित करता है?**
   A. बाजार मूल्य
   B. आर्थिक मूल्य
   C. उपयोगी जीवन
   D. बिक्री मात्रा (C)

व्याख्या: मूल्यह्रास की गणना में लागत, अवशिष्ट मूल्य और उपयोगी जीवन को ध्यान में रखा जाता है।

8. **क्षरण किससे संबंधित है?**
   A. अमूर्त परिसंपत्तियाँ
   B. घिसावट
   C. प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग
   D. प्रशासनिक व्यय (C)

व्याख्या: क्षरण प्राकृतिक संसाधनों जैसे खान, खदान के उपयोग से मूल्य में कमी को दर्शाता है।

9. **निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?**
   A. मूल्यह्रास परिसंपत्ति के मूल्य को बढ़ाता है
   B. मूल्यह्रास प्रतिस्थापन के लिए धन प्रदान करता है
   C. मूल्यह्रास केवल नकद लेन-देन में ही लगाया जाता है
   D. कर गणना के लिए मूल्यह्रास आवश्यक नहीं है (B)

व्याख्या: मूल्यह्रास कर-योग्य लाभ को कम करके और आय को बनाए रखकर प्रतिस्थापन के लिए धन जुटाने में मदद करता है।

10. **भारत में आयकर विभाग द्वारा कौन-सी विधि स्वीकार की जाती है?**
   A. अमूर्तिकरण विधि
   B. सीधी रेखा विधि
   C. लेखित डाउन मूल्य विधि
   D. क्षरण विधि (C)

व्याख्या: भारत में आयकर कानून के अंतर्गत मूल्यह्रास के लिए लेखित डाउन मूल्य विधि को मान्यता प्राप्त है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES